हरिभूमि
सीहोर भूमि फ्रंट पेज
भोपाल, बुधवार 11 नवंबर 2026
सीहोर | भैरुंदा | रेहटी | इछावर | कोठरी | श्यामपुर | शाहगंज | कालापीपल | जावर

06 इस बार भी दो दिन लगा बारहखंबा मेला, जमकर हुई खरीदारी ...



09 शिवना में गंदे नाले बंद करने के लिए विधायक विपिन जैन का...



खबर संक्षेप

जरूरतमंद परिवारों के घर पहुंचाई खुशियां



सीहोर। दीपावली का पर्व केवल अपने घरों को रोशन करने का नहीं, बल्कि जरूरतमंदों के जीवन में खुशियों का उजाला फैलाने का भी अवसर है। इसी सेवा भावना के साथ न्यू अथर्व फाउंडेशन, सीहोर द्वारा दीपावली के पावन अवसर पर जरूरतमंद परिवारों के बीच पहुंचकर राशन सामग्री वितरित की गई। फाउंडेशन के सदस्यों ने परिवारों को राशन सामग्री भेंट कर उनके साथ त्योहार की खुशियां साझा कीं। इस अवसर पर फाउंडेशन के सुनील राय ने कहा कि दीपावली की वास्तविक खुशियां तभी सार्थक होती हैं, जब हम अपनी खुशियों में जरूरतमंदों को भी शामिल करें। किसी जरूरतमंद परिवार के चेहरे पर मुस्कान लाना और उनके त्योहार को खुशियों से भरना ही सच्ची सेवा है। न्यू अथर्व फाउंडेशन का प्रयास है कि आर्थिक अभाव के कारण कोई भी परिवार त्योहार की खुशियों से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि समाज के प्रत्येक सक्षम व्यक्ति को जरूरतमंदों की सहायता के लिए आगे आना चाहिए। सेवा और सहयोग की छोटी-सी पहल भी किसी परिवार के जीवन में बड़ी खुशियां ला सकती है। फाउंडेशन का संकल्प है कि भविष्य में भी जरूरतमंदों तक सहायता पहुंचाने और समाज में मानवता एवं सेवा की भावना को मजबूत करने के प्रयास निरंतर जारी रहेंगे। इस अवसर पर अजय राय, समीर नानू सेन सहित कई लोग मौजूद रहे ।

हाउसिंग बोर्ड रेलवे फाटक बार-बार बंद होने की वजह इंतजार करना मजबूरी

पीडब्ल्यूडी मंत्री के समय के इंतजार में अटका हाउसिंग बोर्ड आरओबी का लोकार्पण

ढाई साल से परेशान हो रही जनता, फंदा आरओबी भी इसी महीने हो जाएगा पूर्ण।

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर



शहर के पुराने इंदौर-भोपाल मार्ग पर स्थित हाउसिंग बोर्ड रेलवे ओवरब्रिज अब पूरी तरह से बनकर तैयार होने की कगार पर है, लेकिन इसका लाभ आम जनता को कब मिलेगा, यह केवल मध्यप्रदेश सरकार के पीडब्ल्यूडी मंत्री राकेश सिंह के कार्यक्रम पर टिका हुआ है। बताया जा रहा है कि इस महत्वपूर्ण ओवरब्रिज का लोकार्पण लोक निर्माण विभाग मंत्री राकेश सिंह के करकमलों द्वारा किया जाना प्रस्तावित है। विभागीय स्तर पर लोकार्पण समारोह के लिए मंत्री राकेश सिंह से समय भी मांगा जा चुका है। जैसे ही मंत्री जी की ओर से तारीख और समय की हरी झंडी मिलेगी, वैसे ही ब्रिज का औपचारिक उद्घाटन कर इसे आम यातायात के लिए खोल दिया जाएगा। लेकिन वीआईपी प्रोटोकॉल और मंत्री जी के समय के इस इंतजार ने शहर के लोग की मुश्किलें बढ़ा दी हैं।

लोग बोले, पहले ब्रिज चालू करें, लोकार्पण बाद में भी हो सकता है

हाउसिंग बोर्ड रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण लगभग पूरा होने के बावजूद इस पर बैरिकेडिंग लगाकर यातायात बंद रखा गया है। इसका सीधा खामियाजा रोजाना इस मार्ग से गुजरने वाले हजारों वाहन चालकों, स्कूली बच्चों, मरीजों और व्यापारियों को भुगतना पड़ रहा है। स्थिति यह है कि जब भी हाउसिंग बोर्ड रेलवे फाटक बंद होता है तो सडक़ के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग जाती हैं। लोगों को घंटों तक फाटक खुलने का इंतजार करना पड़ता है। इससे शहरवासियों में भारी आक्रोश पनप रहा है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि जब ब्रिज आवागमन के लायक बन चुका है तो इसे केवल फीता काटने के इंतजार में बंद रखना जनता के साथ अन्याय है। लोगों की मांग है कि प्रशासन और जनप्रतिनिधियों को मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए तत्काल ब्रिज से यातायात शुरू करवा देना चाहिए। मंत्री राकेश सिंह जब भी सीहोर आएं, तब औपचारिक रूप से इसका लोकार्पण कार्यक्रम आयोजित कर लिया जाए।

नवंबर अंत तक पूरा होगा फंदा आरओबी

इसी मार्ग पर स्थित दूसरे महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट फंदा ओवरब्रिज को लेकर ब्रिज कॉर्पोरेशन के इंजीनियर कैलाश वर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि फंदा ओवरब्रिज का निर्माण कार्य भी अब अपने अंतिम चरणों में पहुंच चुका है। पूरी कोशिश है कि बचा हुआ तकनीकी और फिनिशिंग का काम तेजी से निपटाया जाए। इंजीनियर वर्मा के मुताबिक नवंबर महीने के अंत तक फंदा ओवरब्रिज का निर्माण कार्य पूरी तरह से पूर्ण कर लिया जाएगा। इसके शुरू होने के बाद भोपाल से आने-जाने वाले लोगों को राहत मिल सकेगी।

ढाई साल से परेशान हो रहे लोग

सीहोर शहर के पुराने इंदौर-भोपाल रोड स्थित हाउसिंग बोर्ड फाटक और फंदा फाटक पर ओवरब्रिज का निर्माण कार्य जनवरी 2024 में शुरू किया गया था। शुरुआत में तय समय-सीमा के मुताबिक इस पूरे प्रोजेक्ट को जून-जुलाई 2025 तक बनकर तैयार हो जाना चाहिए था। लेकिन निर्माण एजेंसी की भयंकर लेटलतीफी और सुस्त रफ्तार ने पूरे शेड्यूल को बिगाड़ कर रख दिया। बीच में एजेंसी द्वारा ईरान-इजराइल युद्ध के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में डामर की आपूर्ति ठप होने जैसे बहानों का हवाला देकर प्रोजेक्ट को और लंबा खींचा गया। इन ढाई वर्षों के लंबे अंतराल में सीहोर की जनता ने अकल्पनीय कष्ट झेले हैं। कभी उड़ते धूल के गुबार ने लोगों को बीमार किया तो कभी सडक़ पर बने जानलेवा गड्ढों और बारिश के कीचड़ ने राहगीरों का चलना दूभर कर दिया। हालात इतने बदतर हो गए थे कि ब्रिज की एप्रोच रोड बनवाने और काम में तेजी लाने की मांग को लेकर शहरवासियों को सडक़ों पर उतरकर उग्र प्रदर्शन करना पड़ा था। यहां तक कि प्रशासन को सद्बुद्धि देने के लिए जनता ने मौके पर यज्ञ तक आयोजित किए थे। अब जब ढाई साल की लंबी जद्दोजहद और संघर्षों के बाद ब्रिज बनकर तैयार खड़ा है तो महज मंत्री राकेश सिंह के समय न मिल पाने की वजह से इसका रुका रहना लोगों के जख्मों पर नमक छिडक़ने जैसा साबित हो रहा है।

फसल ऋणमान पर किया विचार-विमर्श किया

बैठक में कलेक्टर ने की समीक्षा



हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

जिले के किसानों को समय पर कृषि ऋण, खाद एवं बीज उपलब्ध कराने तथा कृषि संबंधी गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से कलेक्टर बालागुरू के. की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला स्तरीय तकनीकी समूह की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित सीहोर के अंतर्गत खरीफ एवं रबी फसलों के ऋणमान निर्धारण, कृषि वित्त पोषण, नरवाई प्रबंधन तथा रबी सीजन में खाद-बीज की उपलब्धता की समीक्षा की गई। बैठक में सहकारिता, कृषि, नाबार्ड, पशुपालन, मत्स्य पालन सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं बैंक के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में खरीफ एवं रबी फसलों की उत्पादन लागत, आय, शुद्ध लाभ तथा प्रति हेक्टेयर ऋण अदायगी क्षमता की समीक्षा की गई। साथ ही वर्ष 2027-28 के लिए प्रस्तावित फसल ऋणमान पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि ऋणमान का निर्धारण वास्तविक कृषि लागत और किसानों की आर्थिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए पारदर्शिता के साथ किया जाए। उन्होंने कहा कि फसल ऋण वितरण का समय, अदायगी तिथि एवं अधिकतम ऋण सीमा किसानों के हितों के अनुरूप निर्धारित की जाए, ताकि किसानों को खेती के लिए समय पर पर्याप्त वित्तीय सहायता मिल सके। बैठक में पारंपरिक खेती के साथ उद्यानिकी को प्रोत्साहित करने के लिए साग-सब्जी, फल एवं औषधीय फसलों की उत्पादन लागत और प्रस्तावित ऋणमान पर चर्चा की गई। इसके साथ ही पशुपालन एवं मत्स्य पालन गतिविधियों के लिए आवश्यक कार्यशील पूंजी और इकाई लागत का अनुमोदन किया गया। किसानों की आय के अतिरिक्त स्रोत विकसित करने के उद्देश्य से मधुमक्खी पालन, लाख एवं रेशम उत्पादन जैसी सहायक गतिविधियों के लिए वित्तमान निर्धारित करने पर भी विचार किया गया। कलेक्टर ने वर्ष 2026-27 के लिए कृषि निवेश की लागत नाबार्ड की निर्धारित यूनिट कॉस्ट के अनुसार लागू करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने नरवाई प्रबंधन को लेकर निर्देश दिए कि फसल कटाई के बाद खेतों में नरवाई जलाने की घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाई जाए।

अन्नकूट महोत्सव, 56 भोग से तैयार होगा गिरिराज गोवर्धन का स्वरूप

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर



कुबेरेश्वरधाम में दीपावली का पर्व आस्था, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया। दीपोत्सव के अवसर पर पूरा धाम आकर्षक रंग-बिरंगी रोशनी, विद्युत झालरों और विशेष साज-सज्जा से जगमगाता रहा। इस दौरान हजारों श्रद्धालुओं ने बाबा कुबेर भंडारी के दर्शन कर विशेष खजाना पूजन में भाग लिया। श्रद्धालुओं को खजाना वितरित किया गया। अंतरराष्ट्रीय कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा के सानिध्य में लगातार पांच दिनों तक विशेष पूजा-अर्चना और धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए गए। इस अवसर पर पंडित प्रदीप मिश्रा ने गोवर्धन पूजा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह पर्व प्रकृति और समस्त जीव-जंतुओं के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है। भगवान श्रीकृष्ण के संदेश के अनुसार इस दिन गौवंश की पूजा की जाती है। सनातन धर्म में गौ माता के शरीर में समस्त देवी-देवताओं का वास माना गया है। गौ माता की सेवा और पूजन से जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और आत्मिक आनंद की प्राप्ति होती है। विठलेश सेवा समिति के मीडिया प्रभारी मनोज दीक्षित मामा ने बताया कि कुबेरेश्वरधाम में आगामी दिनों में भव्य अन्नकूट महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर मंदिर परिसर में बृजधाम की झलक दिखाई देगी। भव्य रूप से गोवर्धन पर्वत का स्वरूप सजाया जाएगा और 56 प्रकार के भोग से गिरिराज जी की आकर्षक झांकी तैयार की जाएगी। आयोजन की तैयारियां पंडित प्रदीप मिश्रा के सानिध्य में की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि महोत्सव के दौरान समिति की महिला सदस्यों और श्रद्धालुओं द्वारा गो पूजन, आकर्षक रंगोली और सजावट की जाएगी। अन्नकूट दर्शन के बाद गौ माता एवं गोवर्धननाथ जी की आरती होगी और श्रद्धालुओं को महाप्रसादी वितरित की जाएगी। दीपोत्सव के पश्चात प्रतिवर्ष कुबेरेश्वरधाम में यह भव्य आयोजन किया जाता है, जिसमें हजारों श्रद्धालु शामिल होते हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार अन्नकूट महोत्सव गोवर्धन पूजा से जुड़ा महत्वपूर्ण पर्व है। इस अवसर पर भगवान श्रीकृष्ण को 56 अथवा 108 प्रकार के पकवानों का भोग अर्पित किया जाता है।

भाई दूज पर सीवन पुत्र टीम ने बहनों को दिया स्वच्छता का अनमोल उपहार, चमका हाथी घाट



सीहोर। भाई दूज के पावन अवसर पर सीवन पुत्र टीम ने बहनों को स्वच्छता के रूप में एक अनमोल उपहार दिया। सीवन नदी के संरक्षण और स्वच्छता के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए टीम ने मंगलवार को बढ़ियाखेड़ी स्थित हाथी घाट पर विशेष स्वच्छता अभियान चलाया। यह घाट लंबे समय से गंदगी, पूजन सामग्री, जलकुंभी और मलबे से भरा हुआ था। मंगलवार सुबह 9 बजे सीवन पुत्र टीम के सदस्य हाथी घाट पहुंचे और स्वच्छता अभियान की शुरुआत की। सबसे पहले घाट पर जमा मलबे को हटाया गया। इसके बाद वहां बिखरी पूजन सामग्री, देवी-देवताओं के चित्र, मूर्तियां, पॉलिथीन, फूल-मालाएं और अन्य अपशिष्ट सामग्री को एकत्रित कर हटाया गया। सुबह से ही मुकेश राय, प्रकाश यादव, अशोक नामदेव, प्रदीप चावड़ा और भूपेंद्र केवट सहित टीम के सदस्य स्वच्छता मिशन में जुट गए। देखते ही देखते दोपहर तक मलबे से दबा पूरा घाट साफ दिखाई देने लगा। इसके बाद सीवन योद्धा भूपेंद्र केवट नदी में उतरे और नदी में फैली जलकुंभी के साथ पूजन सामग्री को भी बाहर निकाला। सीवन पुत्र प्रदीप चावड़ा ने बताया कि लगभग छह महीने पहले भी टीम ने इसी हाथी घाट पर पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ सफाई एवं जलकुंभी हटाने का कार्य किया था, लेकिन कुछ ही समय में लोगों ने दोबारा घाट को गंदगी से भर दिया। उन्होंने कहा कि सीवन अभियान के तहत स्वच्छता और जलकुंभी निकालो अभियान लगातार जारी है।

दिग्विजय की सनातन पदयात्रा के समर्थन में आगे आए कांग्रेस नेता

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर



पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह द्वारा उज्जैन से अयोध्या तक निकाली जा रही करीब 1000 किलोमीटर लंबी 'सनातन पदयात्रा' को लेकर कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। इसी कड़ी में वरिष्ठ कांग्रेस नेता पवन राठौर ने इस ऐतिहासिक पदयात्रा को जन-जन तक पहुंचाने और इसे यादगार बनाने के लिए एक विशेष कैलेंडर तैयार करवाया है। राघोगढ़ में पदयात्रा के दौरान स्वयं पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने इस कैलेंडर का पूर्व मंत्री राजकुमार पटेल, पूर्व मंत्री विधायक जयवर्धन सिंह,पूर्व पार्षद नीरू राठौर, निज सचिव ओपी शर्मा की मौजूदगी में विधिवत विमोचन किया और पवन राठौर के इस प्रयास की सराहना की। कैलेंडर विमोचन के अवसर पर कांग्रेस नेता पवन राठौर अपने बड़ी संख्या में समर्थकों के साथ राघोगढ़ पहुंचे। यहां उन्होंने न केवल पूर्व मुख्यमंत्री का गर्मजोशी से स्वागत किया, बल्कि उनके साथ कदम से कदम मिलाकर सनातन पदयात्रा में सक्रिय सहभागिता भी निभाई। इस दौरान राठौर और उनके समर्थकों ने यात्रा के उद्देश्य और सनातन संस्कृति के संदेश को लेकर जोरदार नारेबाजी की, जिससे पूरे क्षेत्र का माहौल उत्साहपूर्ण हो गया। उल्लेखनीय है कि पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन से भगवान श्रीराम की नगरी अयोध्या तक लगभग 1000 किलोमीटर की कठिन और लंबी पदयात्रा पर निकले हैं। इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य समाज में सद्भाव, आस्था और सनातन परंपराओं के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। इस मौके पर कांग्रेस नेता पवन राठौर ने कहा कि दिग्विजय सिंह की यह पदयात्रा केवल एक धार्मिक यात्रा नहीं, बल्कि सामाजिक एकता और आस्था का महाअभियान है। उन्होंने बताया कि इस कैलेंडर को तैयार करने का मुख्य उद्देश्य यही है कि इस ऐतिहासिक पदयात्रा की स्मृतियां और इसका संदेश आमजन के घरों तक पहुंचे। कैलेंडर विमोचन के दौरान स्थानीय कांग्रेस पदाधिकारी, वरिष्ठ कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में ग्रामीण व समर्थक मौजूद रहे।

दीपावली पर बाजार में निकले नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर

आपसी प्रेम, भाईचारे, सद्भाव का पर्व है दीपावली: प्रिंस

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर



दीपावली के पावन पर्व पर नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर ने शहरवासियों के बीच पहुंचकर पर्व की खुशियां साझा कीं। दीपावली के अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर पूरे शहर के बाजारों में निकले और विभिन्न क्षेत्रों में घूमकर व्यापारियों, दुकानदारों, छोटे व्यवसायियों एवं आम नागरिकों से आत्मीय मुलाकात कर उन्हें दीपावली की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान बाजार में जगह-जगह लोगों ने नगर पालिका अध्यक्ष का स्वागत किया।

प्रिंस राठौर ने दुकानों पर पहुंचकर व्यापारियों से मुलाकात की, उनका हालचाल जाना और दीपावली के इस पावन अवसर पर सभी के जीवन में सुख, समृद्धि, खुशहाली एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर ने कहा कि दीपावली केवल दीप जलाने और रोशनी का पर्व नहीं है, बल्कि यह आपसी प्रेम, भाईचारे, सद्भाव और खुशियां बांटने का त्योहार है। सीहोर मेरा परिवार है और शहर का प्रत्येक नागरिक मेरे परिवार का हिस्सा है। मेरा प्रयास रहता है कि हर त्योहार पर शहरवासियों के बीच पहुंचकर उनकी खुशियों में शामिल होऊं। शहर के व्यापारी, छोटे दुकानदार, फुटकर व्यवसायी और मेहनतकश लोग शहर की अर्थव्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। त्योहारों की रौनक इन्हीं लोगों की मेहनत से बाजारों में दिखाई देती है।

नगर पालिका का प्रयास है कि त्योहारों के अवसर पर व्यापारियों और आम नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी न हो तथा सभी लोग हर्षोल्लास के साथ अपना त्योहार मना सकें। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि होने का वास्तविक उद्देश्य जनता के बीच रहना, उनके सुख-दुख में सहभागी बनना और शहर के प्रत्येक नागरिक से आत्मीय संबंध बनाए रखना है। पद और जिम्मेदारी तभी सार्थक है, जब आम नागरिक स्वयं को अपने जनप्रतिनिधि के करीब महसूस करे। नपाध्यक्ष प्रिंस राठौर ने सभी शहरवासियों से दीपावली का पर्व प्रेम, सौहार्द और भाईचारे के साथ मनाने की अपील करते हुए कहा कि मां लक्ष्मी की कृपा सभी परिवारों पर बनी रहे और सीहोर शहर निरंतर विकास, खुशहाली एवं समृद्धि के पथ पर आगे बढ़ता रहे।

सपेरा समाज पहुंचा जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय, दिया ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर



शिकारपुर में रहने वाली अनुसूचित जाति की बुजुर्ग बसंती बाई पर जानलेवा हमला करने वाले आरोपियों को तत्काल गिरफ्तार करने के निर्देश एएसपी डॉ प्रशांत चौबे ने कोतवाली थाना पुलिस को दिए। सपेरा समाज के लोग बड़ी संख्या में मंगलवार को जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचे और यहां पर आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर एएसपी प्रशांत चौबे को ज्ञापन दिया। घायल वृद्ध महिला की बहु फरियादियां पूजाबाई ने एएसपी को घटना से जुड़े वीडियो भी दिखाएं। सपेरा समाज के लोगों ने न्याय दिलाने के साथ संरक्षण प्रदान करते हुए बेधड़क घूम रहे दबंग हमलावरों को गिरफ्तार कर कठोर कार्यवाही करने की मांग की जिस पर एएसपी गिरीश दुबे को कॉल किया और आरोपियों को तत्काल गिरफ्तार करने के निर्देश दिए। पूजाबाई पति सोनु सपेरा ने बताया कि हमारी जमीन शिव वर्मा की जमीन से लगी हुई है। सोमवार सुबह शिव वर्मा व उनका भाई सुरेश वर्मा हमारे पड़ाव वाले खेत की मेड़ के पास खंभे गाड़ रहे थे। मेरी सास बसंती बाई ने इसका विरोध किया। आरोपियों ने बसंती बाई को गालियां देते हुए सुरेश वर्मा ने हाथ में रखे लोहे के संभल से मेरी सास के सिर पर जानलेवा हमला कर दिया। जिसके कारण उनको गंभीर चौट आई मेरी जेठानी आशा बाई एवं जेठ राहुल ने बीच बचाव किया तो उनके साथ भी शिव वर्मा और सुरेश वर्मा ने मारपीट शुरू कर दी। बसंती बाई को गंभीर हालत में जिला अस्पताल सोहोर लेकर आये जहां से भोपाल इलाज के लिए रेफर किया गया। एलबीएस अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कर ईलाज कर रहे हैं उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। कोतवाली थाना पुलिस ने इस मामले में शिकारपुर निवासी शिव वर्मा और सुरेश वर्मा पर अनुसूचित जाति सुरक्षा अधिनियम अंतर्गत विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है।

खबर संक्षेप

गोरीलाल बरोदिया बने विस अध्यक्ष

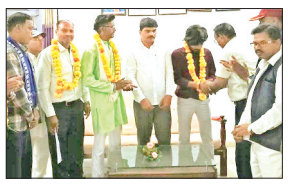

सीहोर। बहुजन समाज पार्टी आष्टा विधानसभा की बैठक का आयोजन हुआ। बैठक में मुख्य रूप से उपस्थित बहुजन समाज पार्टी सीहोर के कार्यवाहक जिला अध्यक्ष नवीन भैरवे द्वारा देवकरण कुरल को बसपा की प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित किया गया एवं गोरी लाल बरोदिया को आष्टा विधानसभा अध्यक्ष के पद पर मोनित किया गया। सभी उपस्थितजनों ने बरोदिया का पुष्पमालाओं से स्वागत किया गया। बैठक में विशेष अतिथि के रूप में डी.बी. बड़ोदिया महासचिव, नर्सिंग भारती जिला सचिव, नर्मदा प्रसाद फौजी कोषाध्यक्ष एवं एडवोकेट अर्जुन पेरवाल विधानसभा प्रभारी आष्टा उपस्थित रहे। बैठक में जितेंद्र उज्जवल को विधानसभा उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। बैठक के दौरान संगठन को मजबूत बनाने, सदस्यता अभियान चलाने तथा माननीय बहन मायावती जी के जन्मदिन को जनकल्याणकारी दिवस के रूप में मनाने की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। विधानसभा अध्यक्ष गोरी लाल बड़ोदिया ने बताया कि पिछले कई दिनों से पार्टी विरोधी गतिविधियों एवं अनुशासनहीनता के चलते देवकरण कुरल को बहुजन समाज पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित कर दिया गया है। बैठक में प्रमुख रूप से विधानसभा उपाध्यक्ष जितेंद्र उज्जवल, कपिल बकोरिया, रोहित बरोदिया, धीरेन्द्र परलाथिया, मनीष बरोदिया, रामबाबू, अरविंद एवं सुरेन्द्र सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पशुपालकों ने भगवान पशुपतिनाथ की प्रतिमा पर दूध चढ़ाकर की पूजा-अर्चना

इस बार भी दो दिन लगा बारहखंबा मेला, जमकर हुई खरीदारी लाखों का हुआ कारोबार, अव्यवस्थाओं के कारण हुई परेशानियां





अंचल सहित दूर दराज क्षेत्रों से हजारों श्रद्धालुओं ने भगवान पशुपतिनाथ की प्रतिमा पर दूध चढ़ाया और पूजा अर्चना की।

हरिभूमि न्यूज ⏭ इछावर

क्षेत्र के बारहखंबा धाम में आयोजित भगवान पशुपतिनाथ के मेले में पहुंचने के लिए इस बार श्रद्धालुओं को कई परेशानियों का सामना करना पड़ा। अव्यवस्थाओं का आलम यह रहा कि मेला स्थल पर पहुंचनें वाले मुख्य मार्गो की हालत जहां बेहद खस्ताहाल और जर्जर थी , वहीं यातायात व्यवस्था भी ठीक नहीं होने के कारण सभी मार्गों पर वाहन चालकों को पूरे समय जाम का सामना करना पड़ा। इसके अलावा मेला स्थल पर अव्यवस्थाओं का अंबार देखने को मिला। हालांकि इसके बावजूद बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने बारहखंबा धाम पहुंचकर भगवान पशुपतिनाथ के मंदिर में दूध चढ़ाया व पूजा अर्चना की।

हर वर्ष की भांति इस बार भी इछावर के गांव देवपुरा में सोमवार, मंगलवार को भगवान पशुपतिनाथ का मेला आयोजित किया गया, जिसमें अंचल सहित दूर दराज क्षेत्रों से हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर भगवान पशुपतिनाथ की प्रतिमा पर दूध चढ़ाया और पूजा अर्चना की। इस दौरान उन्होंने अपने पशुधन की सलामती एवं सुख समृद्धि की मंगल कामना की। परंपरानुसार यह मेला दिवाली के अगले दिन अर्थात पड़वा को आयोजित होता था, लेकिन पिछले 3 सालों से यह दिवाली के दो दिन बाद आयोजित किया जा रहा है। दरअसल दिवाली के दूसरे दिन अर्थात कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की पड़वां को लगने वाला यह मेला तिथियों में अंतर के कारण दिवाली के दूसरे दिन आयोजित किया गया। इस बार मेला दो दिन तक चला। मेला स्थल तक पहुंचने के लिए तीनों प्रमुख मार्गों पर करीब तीन-तीन किमी तक वाहनों की लंबी कतारें दिखाई दी। प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर व्यापक इंतजाम नहीं किए थे। मंगलवार को देवपुरा में भगवान पशुपतिनाथ का मेला आयोजित किया गया, जिसमें अंचल के अलावा जिले व प्रदेश के कोने-कोने से हजारों की संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। इस दौरान लोगों ने मंदिर में स्थित भगवान पशुपतिनाथ की प्रतिमा का दूध से अभिषेक कर अपने पशुधन की सलामती की मंगल कामना की। साथ ही मेले में ग्रहस्थी की सामग्री और खिलोने आदि की जमकर खरीददारी की। श्रद्धालुओं द्वारा भगवान की प्रतिमा का दूध से अभिषेक किए जाने के कारण मंदिर से दूध की धारा बहने लगी और मंदिर के बाहर स्थित एक कुंड में हजारों लीटर दूध जमा हो गया। इसके अलावा लोगों ने मेले में खरीदारी करने के साथ ही झूला आदि का जमकर लुफ्त उठाया।



मंदिर से बह निकली दूध की धारा

मंदिर में भगवान पशुपतिनाथ के दर्शन करने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ अल सुबह ही लगना शुरू हो गई थी। इस दौरान पशुपालकों द्वारा पूजा-अर्चना कर प्रतिमा का दूध से अभिषेक किया और मन्नत मांगी। माना यह जाता है कि यहां जो व्यक्ति भगवान पशुपतिनाथ की प्रतिमा पर दूध चढ़ाता है, उनकी मनोकामनाएं पूर्ण हो जाती है, इसी के चलते यहां दूध चढ़ाने के लिए हर साल श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है।मेला स्थल पर पहुंचने वाले खेरी गादिया, दिवडिया मार्ग पर कई किमी तक वाहनों की लंबी कतारें दिखाई दी मेले में शामिल होने के लिए बच्चे, युवा, खुजुर्ग और महिलाएं हजारों की संख्या में पहुंचे।

दीपावली पर 356 दीप प्रज्ज्वलित कर अमर शहीदों को दी श्रद्धांजलि



सीहोर। दीपावली के पावन प्रकाश पर्व पर सीहोर के सैकड़ाखेड़ी स्थित शहीद स्मारक पर अंग्रेजी हुकूमत के विरुद्ध क्रांति का बिगुल फूंकने वाले वीर सैनिकों की स्मृति में 356 दीप प्रज्ज्वलित कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान अमर शहीदों के त्याग, बलिदान, साहस और राष्ट्रभक्ति को याद करते हुए उन्हें नमन किया गया। कार्यक्रम के दौरान शहीद स्मारक पर प्रज्ज्वलित 356 दीप उन वीर सैनिकों के बलिदान के प्रतीक बने, जिन्होंने देश की आजादी और अंग्रेजी शासन के विरुद्ध संघर्ष में अपने प्राण न्योछावर कर दिए। दीपों की रोशनी के बीच उपस्थित लोगों ने वीर शहीदों के योगदान को स्मरण करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। ऐतिहासिक रिपोर्टों में उल्लेख मिलता है कि 14 जनवरी 1858 को जनरल ह्यू रोज की सेना ने सीहोर में गिरफ्तार विद्रोही सैनिकों को मौत के घाट उतार दिया था। इन रिपोर्टों के अनुसार, इस घटना में 356 विद्रोही सैनिकों के मारे जाने का उल्लेख मिलता है। इनमें से 149 सैनिकों को सैकड़ाखेड़ी के चांदमारी मैदान में एक ही स्थान पर गोली मारे जाने की बात दर्ज है, जबकि शेष सैनिकों के आसपास के अलग-अलग स्थानों पर मारे जाने का उल्लेख मिलता है।

भाई दूज के साथ आज होगा पांच दिवसीय दीपोत्सव का समापन

बहनें करेंगी भाइयों के माथे पर तिलक

हरिभूमि न्यूज ⏭ भैरूंदा

पांच दिवसीय दीपोत्सव पर्व का समापन बुधवार को भाई दूज के त्योहार के साथ होगा। भाई-बहन के प्रेम, विश्वास और अटूट रिश्ते का प्रतीक यह पर्व नगर सहित ग्रामीण अंचलों में पारंपरिक श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाएगा। त्योहार को लेकर घरों में तैयारियां शुरू हो गई हैं। सुबह से ही बहनें पूजा की तैयारी करेंगी और शुभ मुहूर्त में गोबर से भाई दूज की आकृति बनाकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना करेंगी।

भाई देंगे उपहार

इसके बाद भाई दूज की कहानी सुनकर भाइयों की लंबी उम्र, अच्छे स्वास्थ्य और सुख-समृद्धि की कामना करेंगी। भाई भी अपनी बहनों के घर पहुंचकर उनके हाथों से माथे पर तिलक लगवाएंगे। बहनें भाइयों का स्वागत कर उन्हें भोजन कराएंगी। वहीं भाई अपनी बहनों को उपहार देकर उनकी रक्षा और हर सुख-दुख में साथ निभाने का संकल्प लेंगे। इस पर्व को लेकर भाई-बहनों में खास उत्साह रहता है। दूर रहने वाले भाई भी इस दिन अपनी बहनों से मिलने के लिए घर पहुंचते हैं।भाई दूज को यम द्वितीया के नाम से भी जाना जाता है।

कायस्थ समाज करेगा कमल दवात की पूजा

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन भगवान चित्रगुप्त की पूजा का भी विशेष महत्व है। कायस्थ समाज सहित अन्य श्रद्धालु भगवान चित्रगुप्त की पूजा-अर्चना कर कलम और दवात का पूजन करेंगे। धार्मिक मान्यता है कि इस दिन कलम-दवात की पूजा करने से ज्ञान, बुद्धि और कार्यों में सफलता का आशीर्वाद मिलता है।पौराणिक कथा के अनुसार भगवान सूर्यदेव की पत्नी के गर्भ से यमराज और यमुना का जन्म हुआ था। यमुना अपने भाई यमराज से बहुत स्नेह करती थीं। वह अक्सर अपने भाई को घर आकर भोजन करने का निमंत्रण देती थीं, लेकिन यमराज अपने कार्यों में व्यस्त रहने के कारण बहन के निमंत्रण को टाल देते थे। एक बार कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि पर यमुना ने फिर अपने भाई को भोजन के लिए आमंत्रित किया। इस बार यमराज अपनी बहन के घर पहुंचे। भाई को घर आया देखकर यमुना बहुत प्रसन्न हुईं। उन्होंने उनका आदर-सत्कार किया और प्रेमपूर्वक भोजन कराया। बहन के इस स्नेह से प्रसन्न होकर यमराज ने यमुना से वरदान मांगने को कहा। तब यमुना ने कहा कि आप हर साल इसी दिन मेरे घर भोजन करने आया करें और इस दिन जो बहन अपने भाई को तिलक लगाकर भोजन कराए, उसे आपका भय नहीं रहे।

मिलता है आशीर्वाद

यमराज ने बहन को वरदान दिया, उन्हें वस्त्र-आभूषण भेंट कर यमपुरी लौट गए। तभी से भाई दूज मनाने की परंपरा शुरू होने की मान्यता है। ऐसी धार्मिक मान्यता है कि इस दिन भाई अपनी बहन के घर जाकर तिलक लगवाता है और उसके हाथों से भोजन करता है तो उसे यमराज के भय से मुक्ति और लंबी आयु का आशीर्वाद मिलता है। इस तरह भाई दूज का त्योहार भाई-बहन के रिश्ते में प्रेम, विश्वास और अपनत्व को और मजबूत करने का संदेश देता है।

अभिमन्यु का अंडर-17 राज्यस्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता में हुआ चयन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भैरूंदा



खेल परिसर भैरुंदा के प्रतिभाशाली क्रिकेट खिलाड़ी अभिमन्यु मीना ने अपनी मेहनत और खेल प्रतिभा के दम पर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। उनका चयन अंडर-17 राज्यस्तरीय बालक शालेय क्रीड़ा क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए हुआ है। प्रतियोगिता का आयोजन 12 से 17 नवंबर तक ग्वालियर में किया जाएगा। अभिमन्यु दाएं हाथ के बेहतरीन बल्लेबाज होने के साथ ही अच्छे ऑफ स्पिन गेंदबाज भी हैं। वे बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में अपनी प्रतिभा दिखाने का हुनर रखते हैं। उनके चयन से खेल परिसर भैरुंदा में खुशी का माहौल है। इस उपलब्धि पर सेफ्रॉन क्रिकेट एकेडमी एवं खेल परिसर भैरुंदा के हेड कोच राकेश पंवार (रक्का) और सतीश लारा ने अभिमन्यु को बधाई देते हुए आगामी प्रतियोगिता में अच्छे प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं। कोचों ने उम्मीद जताई कि अभिमन्यु अपने शानदार खेल से प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन कर भैरुंदा और क्षेत्र का नाम रोशन करेंगे।

विश्वकर्मा समाज का अन्नकूट महोत्सव हर्षोल्लास के साथ संपन्न

हरिभूमि न्यूज ⏭ भैरूंदा



जांगिड़ विश्वकर्मा समाज तहसील इकाई भैरुंदा के तत्वावधान में श्री विश्वकर्मा मंदिर में अन्नकूट महोत्सव धार्मिक श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर भगवान विश्वकर्मा की विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर आरती की गई। इसके बाद अन्नकूट प्रसादी का आयोजन हुआ, जिसमें समाजजनों ने बड़ी संख्या में शामिल होकर प्रसादी ग्रहण की।

कार्यक्रम की जानकारी देते हुए विश्वकर्मा समाज के प्रदेश संरक्षक एवं जिला सीहोर के जिलाध्यक्ष मिश्रीलाल विश्वकर्मा ने बताया कि समाज के सामूहिक सहयोग से पिछले कई वर्षों से लगातार अन्नकूट महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इसका उद्देश्य धार्मिक परंपराओं को बनाए रखने के साथ समाज में एकता, भाईचारे और आपसी सहयोग की भावना को मजबूत करना है। कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठ संरक्षक डॉ. आरसी विश्वकर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे। इसके अलावा समाज के वरिष्ठजन, युवा और मातृशक्ति ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। मिश्रीलाल विश्वकर्मा ने आयोजन को सफल बनाने में सहयोग करने वाले सभी समाजजनों का आभार व्यक्त किया। महोत्सव के माध्यम से समाज की एकजुटता और धार्मिक आस्था का संदेश दिया गया।

गोवर्धन पूजा पर घर-आंगन में सजी गोबर से बनी भगवान की आकृति

पूजा-अर्चना कर परिवार के लिए मांगा सुख-समृद्धि का आशीर्वाद

हरिभूमि न्यूज ⏭ भैरूंदा



दीपावली के पांच दिवसीय पर्व के दौरान गोवर्धन पूजा का त्योहार भैरुंदा नगर सहित ग्रामीण अंचलों में पारंपरिक श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। सुबह से ही घरों में पर्व की तैयारियां शुरू हो गई थीं। ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों ने घर-आंगन को गोबर से लीपकर पवित्र किया और गोबर से भगवान गोवर्धन की प्रतीकात्मक आकृति बनाकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। इस दौरान महिलाओं और पुरुषों ने घी के दीपक जलाए, धूप-अगरबत्ती लगाई और भगवान गोवर्धन से परिवार की सुख-समृद्धि, खुशहाली और अच्छी वर्षा की कामना की। कई स्थानों पर गोवर्धन महाराज की पूजा के साथ गोवंश का भी विशेष पूजन किया गया। गायों को स्नान कराकर उनका श्रृंगार किया और उन्हें पकवान खिलाए गए। ग्रामीण अंचलों में इस पर्व को लेकर विशेष उत्साह दिखाई दिया।

पंडित आयुष्मान तिवारी ने बताया कि गोवर्धन पूजा का संबंध भगवान श्रीकृष्ण की उस लीला से है, जब उन्होंने अपनी छोटी उंगली पर विशाल गोवर्धन पर्वत उठाकर ब्रजवासियों और उनके पशुधन को इंद्र देव के प्रकोप से बचाया था। मान्यता है कि पहले ब्रजवासी वर्षा के देवता इंद्र की पूजा करते थे, लेकिन भगवान श्रीकृष्ण ने उन्हें गोवर्धन पर्वत और गायों की पूजा करने का संदेश दिया। इसके बाद इंद्र देव ने नाराज होकर मूसलाधार बारिश शुरू कर दी। तब श्रीकृष्ण ने सात दिन तक गोवर्धन पर्वत को अपनी छोटी उंगली पर उठाकर सभी ब्रजवासियों और गोवंश को आश्रय दिया। तभी से गोवर्धन पूजा का पर्व मनाने की परंपरा चली आ रही है। यह पर्व प्रकृति, पशुधन और पर्यावरण के महत्व का भी संदेश देता है।

भगवान को लगाया छप्पन भोग

नगर में मारवाड़ी समाज की महिलाओं ने भी गोवर्धन पूजा का पर्व उत्साह के साथ मनाया। गांधी चौक स्थित मंदिरों में सुबह 9 बजे से ही महिलाओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। महिलाओं ने सामूहिक रूप से भगवान की पूजा-अर्चना की और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। इस दौरान महिलाओं ने एक-दूसरे को दीपावली पर्व की शुभकामनाएं भी दीं। मंदिरों में पूजा के लिए सीधा सामग्री अर्पित की गई और भगवान को छप्पन भोग लगाया गया। मान्यता के अनुसार छप्पन भोग की परंपरा भगवान श्रीकृष्ण की गोवर्धन लीला से जुड़ी है। कहा जाता है कि सात दिन तक ब्रजवासियों को भोजन नहीं मिल पाया था। इसके बाद भगवान श्रीकृष्ण के पर्वत नीचे रखने पर ब्रजवासियों ने प्रतिदिन के आठ व्यंजनों के हिसाब से सात दिन के कुल 56 व्यंजन तैयार कर भगवान को अर्पित किए थे। इसी परंपरा के तहत आज भी गोवर्धन पूजा पर छप्पन भोग लगाने का विशेष महत्व है।

देर रात तक चला मिलन समारोह

गोवर्धन पूजा के अवसर पर भैरुंदा के गांधी चौक में मारवाड़ी समाज की ओर से अन्नकूट महोत्सव का आयोजन किया गया। आयोजन से पहले श्रीराम मंदिर में भगवान की महाआरती की गई और छप्पन भोग अर्पित कर पूजा-अर्चना की गई। इसके बाद श्रद्धालुओं को अन्नकूट प्रसादी वितरित की गई। समाज के लोगों ने एक-दूसरे से मिलकर दीपावली की शुभकामनाएं दीं। देर रात तक दीपावली मिलन समारोह और अन्नकूट का आयोजन चलता रहा। घरों में भी महिलाओं ने विभिन्न प्रकार के पकवान और मिठाइयां तैयार कर भगवान गोवर्धन को भोग लगाया।

समय रहते आत्मकल्याण के मार्ग पर आगे बढ़ें : मुनिश्री

हरिभूमि न्यूज ⏭ आष्टा

मनुष्य जीवन अत्यंत अनमोल है। यह सोने-चांदी जैसा नहीं, बल्कि हीरे के समान है। यह दुर्लभ जीवन बहुत छोटा है, इसलिए इसे व्यर्थ गंवाने के बजाय आत्मकल्याण के मार्ग पर लगाना चाहिए। कई लोग ठोकर खाकर सुधर जाते हैं, लेकिन अधिकांश लोग बार-बार ठोकर खाने के बाद भी नहीं सुधरते। प्रत्येक व्यक्ति को अपने कर्मों का फल भोगना ही पड़ता है। यह बात मुनि सागर महाराज ने श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन दिव्योदय अतिशय तीर्थ क्षेत्र किला मंदिर में आशीष वचन देते हुए कही।मुनि श्री ने कहा कि हमारे उपदेश से यदि किसी के जीवन में सुधार आता है तो हमारा चातुर्मास सफल हो जाता है। जिनवाणी में मोक्ष मार्ग का उपदेश देने का उल्लेख है।

इसलिए संतों का कर्तव्य है कि वे आत्मा के कल्याण का मार्ग बताएं। ऐसा नहीं हो कि सोते-सोते ही पूरा मनुष्य जीवन निकल जाए। समय रहते जागें और जीवन को सार्थक बनाएं।उन्होंने कहा कि मकान और मन में बहुत अंतर होता है। जिस घर में सब्र और धैर्य नहीं होता, वह घर कब्र के समान है। प्रत्येक व्यक्ति का घर स्वर्ग के समान होना चाहिए। परिवार में प्रेम, सहनशीलता और आपसी समझ होनी चाहिए।

समय अनमोल

जीवन में दूसरों के गुणों को ग्रहण करने की भावना रखें।मुनि श्री ने कहा कि आजकल संतों में भी एकमतता का अभाव दिखाई देता है। ऐसे समय में सभी संतों का एक साथ बैठना और एकमत होकर धर्म प्रभावना करना महत्वपूर्ण है। चातुर्मास में दोनों संतों के सानिध्य से बहुत कुछ सीखने को मिला। उन्होंने कृषि को भी एक कला बताते हुए कहा कि समय बहुत कम और अनमोल है, इसलिए जीवन के प्रत्येक क्षण का सदुपयोग करना चाहिए। कहा कि समय रहते जागकर आत्मकल्याण करें।

एक सप्ताह में कार्रवाई नहीं हुई तो जनता के साथ अनिश्चितकालीन धरना

शिवना में गंदे नाले बंद करने के लिए विधायक विपिन जैन का प्रशासन को अल्टीमेटम

हरिभूमि न्यूज ⏭ मंदसौर

दीपावली पर भी जारी रहा शिवना शुद्धिकरण अभियान, 150वें दिन श्रमदानियों ने निकाली एक ट्रॉली गंदगी



भगवान पशुपतिनाथ की नगरी में शिवना नदी को स्वच्छ और निर्मल बनाने के लिए चल रहा शुद्धिकरण अभियान दीपावली के पर्व पर भी नहीं थमा। अभियान के 150वें दिन सुबह ठंड के बावजूद श्रमदानियों ने उत्साह के साथ श्रमदान किया। नदी से एक ट्रॉली कचरा निकाला गया तथा भगवान पशुपतिनाथ मंदिर के समीप घाटों को पानी से धोकर नदी किनारों की सफाई की गई। इस अवसर पर विधायक विपिन जैन ने प्रशासन को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि शिवना नदी में मिल रहे गंदे नालों को एक सप्ताह के भीतर बंद किया जाए, अन्यथा वे आम जनता के साथ अनिश्चितकालीन धरने पर बैठेंगे । अब इस मामले में कोई बहानेबाजी या प्रशासनिक लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी । उन्होंने कहा कि भगवान पशुपतिनाथ और शिवना नदी से लाखों श्रद्धालुओं की आस्था जुड़ी है, इसके बावजूद शहर के गंदे नाले सीधे नदी में मिल रहे हैं। यह स्थिति बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। प्रशासन तत्काल नालों को नदी में मिलने से रोकने के लिए ठोस कार्रवाई करे। विधायक जैन ने कहा कि शिवना को स्वच्छ और निर्मल बनाना केवल श्रमदानियों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रशासन और प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। दीपावली का पर्व हमें अपने घरों के साथ शहर और प्राकृतिक धरोहरों को भी स्वच्छ बनाने का संदेश देता है। 150 दिनों से लगातार चल रहा अभियान जनभागीदारी और संकल्प का उदाहरण है, लेकिन जब तक नदी में गंदे नालों का मिलना बंद नहीं होगा, तब तक स्थायी स्वच्छता का लक्ष्य पूरा नहीं हो सकता। 150वें दिन श्रमदान में विधायक विपिन जैन, समाजसेवी रमेश सोनी, हेमराज खाबिया, शांतिलाल मेमावत, राकेश जैन पिंटू, भंवरलाल प्रजापत, संभव जैन, महिलाओं में सुनीता बंडी, रीना बसेर तथा कांग्रेसजनों में राजनारायण लाड़, विकास दशोरा, अजय सोनी, गणपत कुमावत, अभिषेक जैन, सादिक गोरी, कैलाश कुमावत (अमलावद), जयेश पालीवाल, मंगल गवली, ऋषिराज लाड़, कनिष्क सोनी सहित अनेक श्रमदानियों ने सहभागिता की।

दीपावली की खुशियां मातम में बदलीं

दो दोस्तों की एक साथ निकली अंतिम यात्रा, एक साथ हुआ अंतिम संस्कार



कानड़। दोस्ती के किस्से तो आपने बहुत सुने होंगे, लेकिन शिवगढ़ गांव में दो बुजुर्ग मित्रों की ऐसी दोस्ती देखने को मिली, जिसने हर किसी को भावुक कर दिया। दोनों की मित्रता इतनी गहरी थी कि जीवनभर एक-दूसरे का साथ निभाने वाले दोनों मित्र दुनिया से भी एक साथ विदा हुए। दीपावली के खुशियों भरे माहौल में दोनों के निधन से गांव में शोक की लहर छा गई।जानकारी के अनुसार, कुम्हार समाज के भेरूलाल प्रजापत की तबीयत एक-दो दिन पहले बिगड़ने पर उन्हें उपचार के लिए इंदौर के अस्पताल में भर्ती कराया गया था। दीपावली के दिन शाम करीब 5 बजे उन्होंने अस्पताल में अंतिम सांस ली। वहीं, ब्राह्मण बैरागी समाज के बिहारीलाल महाराज दीपावली से एक दिन पूर्व गांव में फेर लेने भी गए थे। दीपावली की देर रात अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई। परिजन उन्हें उपचार के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां रात करीब 12 बजे उनका भी निधन हो गया। सोमवार सुबह करीब 10 बजे दोनों बुजुर्ग मित्रों की अंतिम यात्रा एक साथ निकाली गई। अंतिम यात्रा में पूरा गांव शामिल हुआ। दोनों का एक ही मुक्तिधाम में अंतिम संस्कार किया गया। गांव के लोगों के अनुसार, भेरूलाल प्रजापत और बिहारीलाल महाराज की मित्रता पूरे गांव में मिसाल थी। धार्मिक आयोजन हो, शादी-विवाह या कोई अन्य कार्यक्रम, दोनों हमेशा एक साथ ही नजर आते थे। जहां भी जाते, साथ जाते थे। जीवनभर की इस दोस्ती का ऐसा भावुक अंत देखकर हर किसी की आंखें नम हो गईं।

जनसुनवाई में सुनी फरियाद



हरिभूमि न्यूज ⏭ मंदसौर

जिला स्तरीय जनसुनवाई मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय सभा कक्ष में संपन्न हुई। इस दौरान 8 आवेदन प्राप्त हुए अपर कलेक्टर एकता जायसवाल ने जनसुनवाई करते हुए संबंधित विभागों को आवेदनों के निराकरण के लिए निर्देशित किया। इस दौरान जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे। ग्राम खिलचीपुरा निवासी गोविन्द ने रास्ता खुलवाने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया। जिस पर तहसीलदार मंदसौर को जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। सगवाली निवासी गोकुल ने निजी भूमि से बिजली लाईन हटाने या मुआवजा दिलवाने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया। जिस पर तहसीलदार दलौदा को जांच कर उचित कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। डीगावखुर्द निवासी कमलाबाई ने प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलवाने के संबंध में आवेदन दिया। जिस पर तहसीलदार मंदसौर नगर को जांच कर कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त जनसुनवाई में रास्ता विवाद सुलझाने, पेंशन का लाभ दिलवाने, ग्रेच्युटी की राशि का भुगतान करवाने, रास्ता खुलवाने व अतिक्रमण हटवाने जैसे विविध प्रकार के आवेदन प्राप्त हुए।

बाल विवाह रोकथाम हेतु जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

मंदसौर । कलेक्टर दिव्यांक सिंह के निर्देशन मे जिले में बाल विवाह रोकथाम जागरूकता हेतु महिला बाल विकास विभागीय अमले द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे है। आगामी दिवसों में देवउठनी ग्यारस पर बाल विवाह की संभावना को दृष्टिगत रखते हुए मंगलवार को वन स्टॉप सेंटर टीम मंदसौर द्वारा बाल विवाह रोकथाम अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बाल विवाह के दुष्परिणामों की जानकारी देते हुए बताया गया कि बाल विवाह से बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य एवं मानसिक विकास प्रभावित होता है। बालिका की आयु 18 वर्ष एवं बालक की आयु 21 वर्ष पूर्ण होने पर ही विवाह किया जाना चाहिए। साथ ही बालिकाओं की शिक्षा एवं बाल अधिकारों के महत्व पर प्रकाश डाला गया। उपस्थित लोगों को बाल विवाह न करने एवं इसे रोकने की शपथ दिलाई गई।

जैन श्वेतांबर समाज का दीपावली मिलन समारोह



भानपुरा। मंगलवार 10 नवम्बर को भगवान महावीर के निर्वाण दिवस निर्वाण लड्डू सभी मंदिरों में चढ़ाएं गये ओर गोतम रासा का वाचन हुआ, बड़े सबेरे समाज के सभी महिला,पुरुष बच्चे भलवाडा पार्श्वनाथ मंदिर पर पहुंचे व निर्वाण लड्डू चढाएं व सामुहिक चेत्य वंदन किया गया। समापन पर जिन शासन सेवक मण्डल के तत्वावधान में जैन श्वेताम्बर श्री संघ भानपुरा का दीपावली मिलन समारोह व नवकारसी का आयोजन हुआ। भानपुरा श्री संघ के जो बालक बालिकाएं उच्च अध्ययन कर देश विदेश में अपनी सेवाएं दे रहे हैं उन्होंने समाजजनों के सामने अपनी जानकारी व परिचय दिया व समाज के सामाजिक व धार्मिक कार्यों में हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। उत्सव नाहर,जयवर्धन चोरड़िया,यश नाहर,अनमोल कोठारी, उत्सव चोरड़िया,, डॉ अमिया चोरड़िया, श्रेयांश कीमती, प्रतीक भण्डारी,प्रियम भण्डारी,अर्हम भण्डारी,अक्षय नाहर, विराट चोरड़िया,अभि नाहर, अरिहंत कोठारी, आराध्य कोचर, सन्नी चोरड़िया, ईशान कीमती,सोंनाली कीमती, सोनम नाहर, श्वेता गांग,साक्षी नाहर, पुर्णिमा चोरड़िया, भुमि नाहर ,सहित कई ने अपने कार्य व उच्च शिक्षा के बारे में जानकारी दी। जयानंद पाठशाला के छोटे छोटे बालक बालिकाओं ने भी अपना परिचय दिया समारोह को जैन श्वेताम्बर सोशल ग्रुप्स फेडरेशन के राष्ट्रीय चेयरमैन अनिल नाहर,श्री संघ के पुर्व अध्यक्ष नवल चोरड़िया, अंतिम चोरड़िया,विजय चोरड़िया ने भी संबोधित किया। समारोह का संचालन उत्सव चोरड़िया ने किया।

56 भोग व राम भाजी-पूड़ी की महाप्रसादी का वितरण

श्रीराम रामेश्वर हनुमान मंदिर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया अन्नकूट महोत्सव

हरिभूमि न्यूज ⏭ चौमहला



नगर के प्राचीन श्रीराम रामेश्वर हनुमान मंदिर में दीपावली पर मां लक्ष्मी पूजन के दूसरे दिन पारंपरिक रूप से अन्नकूट महोत्सव बड़े ही हर्षोल्लास और भक्तिभाव के साथ मनाया गया। मुहूर्त अनुसार सोमवार को दोपहर 12.40 बजे श्रीराम मंदिर में विधि-विधान से भगवान का पूजन किया गया। इस दौरान भगवान को 56 भोग व राम भाजी-पूड़ी की महाप्रसादी का भोग लगाया गया। भोग के पश्चात मंदिर परिसर में महाआरती हुई, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। महाआरती के पश्चात महाप्रसादी का वितरण किया गया। प्रसादी ग्रहण करने के लिए मंदिर परिसर में धार्मिक, सामाजिक बंधु, महिलाएं, पुरुष, युवा और बच्चे बड़ी संख्या में मौजूद रहे। पूरा मंदिर परिसर जय श्रीराम के जयकारों और भक्तिमय वातावरण से गूंज उठा। अन्नकूट महाप्रसादी का लाभ जगदीश कृष्णकांत, हरिकृष्ण प्रेमी अग्रवाल परिवार चौमहला द्वारा लिया गया। अग्रवाल परिवार द्वारा वर्षों से चली आ रही इस परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस बार भी भव्य आयोजन किया गया। अंत में सभी श्रद्धालुओं ने सुख-समृद्धि और नगर की खुशहाली की कामना की।

श्री कृष्ण गौशाला भालोट में हर्षोल्लास से मनाई गई गोवर्धन पूजा

भालोट। गोवर्धन पूजा के पावन पर्व के अवसर पर स्थानीय श्री कृष्ण गौशाला भालोट में गौ माता की विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन पूर्ण विधि-विधान और धार्मिक उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित श्रद्धालुओं और गौशाला समिति के पदाधिकारियों ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच गौ माता का पूजन कर समिति द्वारा 1 क्विंटल 10 किलो दलिये लापसी व भात का भोग लगाया व सुख-समृद्धि की कामना की। इस धार्मिक आयोजन में क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों और समाजसेवियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर गौशाला अध्यक्ष राजू ढोला, विश्व हिंदू परिषद भालोट खंड गौ रक्षा प्रमुख व सचिव गोपाल गूंगावन, कोषाध्यक्ष हर्ष कोठारी तथा भालोट खंड अखाड़ा प्रमुख राजू टांक ने उपस्थित होकर गौ सेवा का संकल्प दोहराया। साथ ही सरपंच नानालाल मेगरीया, भूतपूर्व सरपंच श्यामलाल जैन, उदयलाल पड़ियार, गोपाल गोयल और भारत सिंह भाटी सहित अनेक ग्रामीणों ने भाग लेकर गौ पूजन का पुण्य लाभ अर्जित किया। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने गौ संवर्धन और संरक्षण का संकल्प भी लिया।

आकर्षक रंगोली से मां लक्ष्मी का स्वागत

दीपावली पर शुभ मुहूर्त में हुआ लक्ष्मी पूजन





हरिभूमि न्यूज ⏭ कानड़

दीपावली पर्व नगर में हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। रविवार को सुबह से ही बाजार में रौनक देखने को मिली। नगरवासी और ग्रामीणजन मां लक्ष्मी की पूजा-अर्चना के लिए पूजन सामग्री खरीदते नजर आए। समृद्धि के प्रतीक ज्वार के पोंकरे और गन्ने की खरीदारी के लिए भी बाजार में भीड़ रही। सुबह से शाम तक बाजार में अच्छी खासी चहल-पहल बनी रही।दीपावली के अवसर पर नगर नगर वासियों ने अपने के घरों और प्रतिष्ठानों को पुष्पमालाओं से सजाया। बाजार में गेंदे और हजारी के फूलों की बिक्री के लिए हाथ ठेले भी जगह-जगह नजर आए। शुभ मुहूर्त में विधि-विधान के साथ भगवान गणेश, माता लक्ष्मी, मां सरस्वती एवं गौ माता का पूजन किया गया। इस अवसर पर गौ माता को भोजन कराकर सुख-समृद्धि की कामना की गई।



रंगोली बनाकर किया मां लक्ष्मी का स्वागत

दीपावली पर मां लक्ष्मी के स्वागत के लिए नगरवासियों ने अपने घरों और प्रतिष्ठानों के बाहर आकर्षक रंगोली बनाई। विशेषकर बालिकाओं ने सुंदर रंगोली सजाकर दीपोत्सव की खुशियों में चार चांद लगा दिए।

जमकर हुई आतिशबाजी

माता लक्ष्मी के पूजन के बाद नगर में जमकर आतिशबाजी हुई। बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी ने दीपावली का उत्साहपूर्वक आनंद लिया। छोटे बच्चों ने रंग-बिरंगी फुलझड़ियां और अनार जलाकर दीपोत्सव की खुशियां मनाईं। देर शाम तक आतिशबाजी से नगर रोशन रहा।

जगन्नाथजी की महाआरती 11 नवम्बर बुधवार को

मन्दसौर प्रति माह के शुक्ल पक्ष की द्वितीया को शिवना नदी तट पर स्थित (पुरी, उड़ीसा के जगन्नाथ मंदिर की प्रतिकृति) 500 वर्ष से अधिक प्राचीन मध्य प्रदेश का एकमात्र ऐतिहासिक सिद्ध स्थल में काष्ठ के विग्रह वाले भगवान जगन्नाथ, बलभद्र व सुभद्राजी की आरती अपने करकमलों से उतारने का पुण्य लाभ लें । यह एक सिद्ध स्थल है । निष्ठा भाव से जुड़कर स्वयं चमत्कार अनुभव करें । मिति कार्तिक शुक्ल द्वितीया सं. 2083, 11 नवम्बर , बुधवार सायं 5.30 बजे से भजन कीर्तन सायं 7 बजे महाआरती श्री जगदीश मंदिर भगवान जगन्नाथ का सिद्ध स्थल शिवना नदी तट, श्री पशुपतिनाथ महादेव मंदिर के सामने, भावसार धर्मशाला के पास, मन्दसौर पर रखी गई है।

निर्वाण लड्डू चढ़ाकर गौतम रास का पाठ हुआ

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया भगवान महावीर निर्वाण एवं गौतम स्वामी केवल ज्ञान दिवस

हरिभूमि न्यूज ⏭ मंदसौर





स्थानीय पद्मावती नगर स्थित श्री नाकोड़ा पार्श्वनाथ जैन मंदिर में भगवान महावीर स्वामी के निर्वाण दिवस एवं गुरु गौतम स्वामी जी के केवल ज्ञान दिवस के पावन अवसर पर भव्य धार्मिक आयोजन संपन्न हुआ। इस अवसर पर श्री नाकोड़ा पार्श्वनाथ जैन श्री संघ द्वारा परमात्मा महावीर स्वामी एवं गौतम स्वामी जी के समक्ष श्रद्धापूर्वक निर्वाण लड्डू चढ़ाया गया तथा गौतम रास का पाठ हुआ।

कार्यक्रम की शुरुआत नवकार महामंत्र के जाप और परमात्मा महावीर स्वामी की जय-जयकार के साथ हुई, जिसके बाद संघ के सदस्यों ने सपरिवार सामूहिक रूप से आरती और चैत्य वंदन किया। इस अवसर पर संघ की वरिष्ठ श्राविका मनोरमा देवी कंठाली ने गौतम रास के पाठ का रसप्रद वाचन किया, जिसे उपस्थित सभी श्रद्धालुओं ने तन्मयता से श्रवण किया। इस धार्मिक अनुष्ठान में श्री नाकोड़ा पार्श्वनाथ जैन श्री संघ के अध्यक्ष सोनू पारख (नवकार), सचिव अंकित जैन (राजेंद्र लाइट) और कोषाध्यक्ष विनोद कंठाली विशेष रूप से उपस्थित रहे। इनके साथ ही संघ के वरिष्ठ सदस्यों एवं गणमान्य महानुभावों में रमेशचंद्र डूंगरवाल, राजेश खारीवाल, प्रकाशचंद्र गुंदेचा, बगदीलाल बाफना, राजेंद्र खाबिया, कांतिलाल चोमेहलावाला, गौतमलाल बाफना, सुनील जैन बालावत, अनिल जैन बालावत, रजत खारीवाल, मंगल जेतावत, संजय जैन9, नवनीत कंठाली, भव्य एवं छोटू जैन सहित श्री संघ के अनेक सदस्य सपरिवार

नगर में पड़वा पर बैलों को श्रृंगारित कर निकाला जाता था चल समारोह

सैकड़ों वर्षों की परंपरा को शहर में लगा विराम!

हरिभूमि न्यूज ⏭ नलखेड़ा





कभी सजे-धजे बैलों की होती थी पूजा

कभी दीपावली का उल्लास बैलों की पूजा के बिना अधूरा माना जाता था। किसान दीपावली पर्व आते ही अपने बैल को सजाने संवारने की तैयारी में लग जाते थे। उन्हें नहला कर सींगों पर रंग वह शरीर पर मेहंदी लगाई जाती थी। साथ ही फूल मालाओं और रंग-बिरंगे आभूषणों से श्रृंगार किया जाता था। गोवर्धन पूजा के अवसर पर पूरे विधि विधान से पशुधन का पूजन होता था। नगर में सजे धजे बैलों को देखने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ती थी। लेकिन अब यहां नजारा धीरे-धीरे विलुप्त होता जा रहा है। खेती किसानी में ट्रैक्टरों और आधुनिक मशीनों के बढ़ते इस्तेमाल में बैलों की उपयोगिता कम कर दी है। पहले खेतों की जुताई से लेकर ढुलाई तक बैल किसान परिवार का अहम् हिस्सा होते थे। किसान केवल उन्हें पशु नहीं, बल्कि खेती का साथी मानते थे। समय के साथ बैल पालन का खर्च और देखभाल की जिम्मेदारी बढ़ने तथा मशीनों पर निर्भरता बढ़ने से घरों में बैल रखने का चलन पूरी तरह ही घट गया है। इसका सीधा असर दीपावली से जुड़ी इस परंपरा पर पड़ा है। हालांकि ग्रामीण अंचलों के कुछ गांव में आज भी किसान पशुधन की पूजा कर पुरानी परंपरा निभा रहे हैं। लेकिन पहले जैसा उत्साह नजर नहीं आता। मशीनों के इस दौर में बैल पूजा केवल धार्मिक रस्म नहीं, बल्कि किसान और पशु धन के आत्मीय रिश्ते की याद दिलाने वाली परंपरा बनकर रह गई है।

नलखेड़ा। नगर में सैकड़ो वर्षों से एक परंपरा चली आ रही थी जिसके तहत दीपावली पर्व के दूसरे दिन पड़वा को किसानों द्वारा अपने बैलों को श्रृंगारित कर नगर में सामूहिक रूप से चल समारोह निकाला जाता था। इस दौरान नगर के सड़के गोबर तथा गोमूत्र पट जाती थी। दीपावली बाद इसे नगर के लिए अच्छा शगुन माना जाता था। नगर में निकलने वाले इस सामूहिक चल समारोह को देखने के लिए बड़ी संख्या में नगरवासी के साथ महिलाएं तथा ग्रामीण अंचल से भी ग्रामीण जन नगर की सड़कों पर जमा रहते थे। इस दौरान युवाओं द्वारा जमकर आतिशबाजी भी की जाती थी लेकिन इस बार पड़वा पर नगर में बैलों का सामूहिक चल समारोह तो नहीं निकला लेकिन युवाओं द्वारा चौक बाजार में जमकर आतिशबाजी की गई। नगर में प्रतिवर्ष दीपावली पर्व के दूसरे दिन पड़वा पर किला रोड स्थित सांवलिया नाथ मंदिर से गोवंश बैलों का चल समारोह किसानों तथा गौ सेवा समिति द्वारा निकाला जाता था। जिसमें नलखेड़ा कस्बे के साथ क्षेत्र के किसानों द्वारा अपने-अपने बैलों को आकर्षक रूप से श्रृंगारित कर बैंड-बाजे के साथ नगर की सड़कों पर चल समारोह के रूप में गोवंश को निकाला जाता था। स्थानीय चौक बाजार में नगर परिषद द्वारा उन किसानों को सम्मानित भी किया जाता था जो अपने बैलों को सुंदर श्रृंगार करके चल समारोह के लिए लाते थे। पुराने जमाने में यहां चल समारोह एक भव्य आयोजन के रूप में होता था। तब हर एक किसानों के पास बैल जोड़ियां अधिक रहती थी। लेकिन गत कुछ वर्षों से समय के बदलाव के साथ अब बैल जोड़ियां कम हो जाने से चल समारोह में इनकी संख्या भी बहुत कम हो गई थी। लेकिन इस वर्ष तो इस चल समारोह पर पूरी तरह विराम ही लग गया।

संघ ग्राउंड पर हुआ दीपोत्सव का आयोजन

दीप जलाकर मनाया गया दीपोत्सव खिलाड़ियों ने की ट्रॉफियों की पूजा



हरिभूमि न्यूज ⏭ कानड़

खुशियों के पर्व दीपावली के अवसर पर ङ7 क्लब के तत्वावधान में पुराना बस स्टैंड स्थित संघ ग्राउंड पर दीपोत्सव महोत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 1500 से अधिक दीप प्रज्वलित कर परिसर को रोशनी से जगमगा दिया गया।ङ7 क्लब के खिलाड़ियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में अन्यत्र स्थानों पर जाकर खेल के मैदान में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए ट्रॉफियां जीतकर नगर का गौरव बढ़ाया। इसी उपलब्धि की खुशी में क्लब द्वारा दीपोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में खिलाड़ियों ने अपनी जीती हुई ट्रॉफियों का विधि-विधान से पूजन-अर्चन किया और अपनी उपलब्धियों का उत्साह मनाया।इस अवसर पर ङ7 क्लब के खिलाड़ियों सहित खो-खो एवं कबड्डी के कोच विनय खजुरिया, रवि विश्वकर्मा आदि उपस्थित रहे।ङ7 क्लब ने इस आयोजन के माध्यम से नगरवासियों को संदेश दिया कि दीपोत्सव केवल किसी एक क्लब का आयोजन न होकर पूरे नगर का उत्सव बने। क्लब सदस्यों ने कहा कि इस बार उनके द्वारा छोटे स्तर पर 1500 से अधिक दीप जलाकर दीपोत्सव की शुरुआत की गई है। आने वाले समय में पूरा नगर मिलकर इस आयोजन को और भव्य रूप दे, ताकि दीपोत्सव में नगर के प्रत्येक नागरिक की भागीदारी हो सके।

खबर संक्षेप

सीआरएस पोर्टल पर पंजीयन कराना अनिवार्य

सीहोर। कलेक्टर बालागुरू के. ने जिले के समस्त नगरीय निकायों, जनपद पंचायतों एवं चिकित्सा संस्थानों को जन्म-मृत्यु की घटनाओं का पंजीयन निर्धारित समय-सीमा में सीआरएस पोर्टल पर अनिवार्य रूप से कराने के निर्देश दिए। निर्देशानुसार जन्म अथवा मृत्यु की घटना होने के 21 दिवस के भीतर संबंधित नगरीय निकाय अथवा ग्राम पंचायत को ऑनलाइन सीआरएस पोर्टल पर सूचना दर्ज कराना अनिवार्य है। निजी अस्पतालों एवं नर्सिंग होम में होने वाली जन्म-मृत्यु की घटनाओं की सूचना दर्ज कराने की प्राथमिक जिम्मेदारी संबंधित चिकित्सा संस्थान के प्रभारी की होगी। स्पष्ट किया गया है कि निर्धारित समय-सीमा में सूचना नहीं देने अथवा गलत जानकारी दर्ज कराने, जैसे जन्म-मृत्यु की गलत तारीख या गलत नाम दर्ज करने पर जन्म-मृत्यु पंजीकरण अधिनियम की धारा 23 के अंतर्गत जुर्माना एवं वैधानिक कार्रवाई की जा सकती है। कलेक्टर ने जिले के सभी चिकित्सा संस्थानों को निर्देशित किया है कि जन्म-मृत्यु की प्रत्येक घटना की सही-सही जानकारी तत्काल सीआरएस पोर्टल पर दर्ज कर संबंधित निकाय को उपलब्ध कराएं। नियमों का पालन नहीं करने वाले संबंधित व्यक्तियों एवं संस्थानों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई के लिए जिला रजिस्ट्रार को अवगत कराएं।

खंगराले के नेतृत्व में मिला प्रतिनिधि मंडल

सीहोर। सीहोर जिला कांग्रेस सेवादल के वरिष्ठ नेता दलित चिंतक लेखक नरेन्द्र खंगराले जाटव ने म.प्र.कांग्रेस सेवादल के प्रदेश अध्यक्ष अविनाश भार्गव से वरिष्ठ प्रतिनिधि मण्डल के साथ म.प्र.कांग्रेस भवन भोपाल में भेट गहन चर्चा की तथा नवीन प्रदेश कार्यकारिणी के विस्तार में समर्पित निष्ठावान जुझारू जमीन से जुड़े सेवादल कार्यकर्ताओं को नियुक्त किये जाने पर हर्ष व्यक्त करते हुए कुछ नियुक्तियों पर पुनः विचार कर उन्हें पदोन्नत किये जाने का अनुरोध किया गया, जिससे कि उनको उनकी योग्यता के अनुसार सम्मान मिल सके जिसके वह हकदार है। साथ ही प्रतिनिधि मण्डल द्वारा सेवादल के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री निवास बी.बी., प्रदेश सेवादल प्रभारी प्रताप नारायण मिश्र एवं प्रदेश अध्यक्ष अविनाश भार्गव का नवीन नियुक्तियों को लेकर आभार व्यक्त किया गया। आभार व्यक्त करने वालों में प्रमुख रूप से जिला कांग्रेस कमेटी सीहोर के अध्यक्ष राजीव गुजराती, शिक्षा विद आर.के.बांगरे, सुनील दुबे, घनश्याम यादव, वरिष्ठ नेता विजय जोहरी, सेवादल प्रदेश कार्यालय प्रभारी सुभाष देशमुख, धर्मेन्द्र शुक्ला रीवा आदि थे।

आष्टा सहित जावर सिद्धिंगज में दीपावली पर्व के साथ गोवर्धन पूजा, भाईदूज का पर्व मनया गया

लक्ष्मी पूजन के बाद देर रात तक हुई आतिशबाजी, जगह-जगह की गोवर्धन पूजा, भाई दूज पर बहनों ने भाईयों को किया तिलक





सरकार द्वारा मिलने वाली 50 हजार की अनुग्रह राशि के ल

हरिभूमि न्यूज ⏭ आष्टा/सिद्धिंगंज/जावर

नगर में उत्साह के साथ दीपावली पर्व मनाया गया। शाम को शुभ मुहूर्त में घरों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों में मां लक्ष्मी, भगवान गणेश और कुबेर की पूजा की गई। लोगों ने घरों के सामने दीप जलाए और रात में आतिशबाजी की। त्योहार के चलते बाजारों में भी दिनभर खरीदारों की भीड़ रही। धनतेरस से ही बाजारों में रौनक बनी हुई थी। रविवार को बुधवारा, सब्जी मंडी, कन्नौद मार्ग, पुराना भोपाल-इंदौर मार्ग और भोपाल नाका सहित प्रमुख बाजारों में लोग खरीदारी के लिए पहुंचे। दीपावली पर फूलों की मांग बढ़ गई। बाजार में गेंदे के फूल सबसे ज्यादा पहुंचे, जबकि गुलाब की आवक कम रही। गुलाब 300 रुपए किलो तक बिका। वहीं गेंदे की माला 20 से 50 रुपए तक में मिली। सुभाष ग्राउंड में लगे अस्थायी पटाखा बाजार में रविवार सुबह से रात तक लोगों ने खरीदारी की। बड़े पटाखा व्यापारियों के गोदामों पर भी खरीदार पहुंचे। इस साल पटाखों के दाम बढ़े थे, इसके बावजूद बच्चों, युवाओं और बड़ों ने अपनी पसंद के पटाखे खरीदे। दीपावली पर घरों, दुकानों और प्रमुख रास्तों के पास रंगोली सजाई गई। बुधवारा और बड़ा बाजार क्षेत्र में दुकानों के सामने रंगोली बनाई गई। महिलाएं सुबह से ही रंगोली सजाने में जुटी रहीं।

गौशाला में की गोवर्धन पूजा पर्व

आष्टा। गोवर्धन पूजा का पर्व आष्टा क्षेत्र में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया।ग्राम पंचायत गवाखेड़ा के ग्राम मुल्लानी स्थित लक्ष्मी उदय आदर्श गौशाला में आयोजित कार्यक्रम में विधायक गोपालसिंह इंजीनियर शामिल हुए। उन्होंने अपनी माताजी लक्ष्मीबाई के हाथों से गौमाता का पूजन कराया और उन्हें गुड़-पूड़ी खिलाई। गौशाला पहुंचने पर सरपंच धर्मेंद्र ठाकुर ने अतिथियों का स्वागत किया। विधायक ने विधि-विधान से गोवर्धन पर्वत की पूजा कर क्षेत्र में सुख-समृद्धि की कामना की।इस अवसर पर विधायक ने कहा कि गोवर्धन पूजा हमें प्रकृति, पशुधन और पर्यावरण के प्रति सम्मान का संदेश देती है। गौ सेवा और संरक्षण हमारी संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है।कार्यक्रम में पशुपालन विभाग के डॉ. विनोद शुक्ला सहित अधिकारी, जनप्रतिनिधि और ग्रामीणजन उपस्थित रहे।



आधुनिकता के दौर में आज भी जीवंत हैं दीपावली की पुरानी परंपराएं



सिद्धिंगंज। आधुनिकता के दौर में जहां त्योहार मनाने के तौर-तरीकों में बदलाव आ रहा है, वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी वर्षों पुरानी परंपराएं और लोक संस्कृति जीवंत बनी हुई हैं। दीपावली के अवसर पर ग्रामीणों ने परंपरागत रीति-रिवाजों के साथ हर्षोल्लास से पर्व मनाया।शाम को घरों में विधि-विधान से मां लक्ष्मी का पूजन किया गया। वहीं दीपावली की अगली सुबह गौ माता की विशेष पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की गई।ग्रामीणों खुशी लाल गायन, वर्मा लीलाधर, बड़ा घर के रमेश पटेल, भागीरथ सहित अन्य ग्रामीणों ने बताया कि देव-धर्मी की हीड़ की परंपरा कई वर्षों से चली आ रही है।पारंपरिक रूप से दीपावली के भजन-कीर्तन किए गए, जिसे स्थानीय भाषा में 'हीड़' कहा जाता है। इस दौरान भजनों और लोक परंपराओं के माध्यम से ग्रामीणों ने अपनी संस्कृति और पूर्वजों की विरासत को आगे बढ़ाया।खास बात यह है कि बदलते समय और आधुनिकता के प्रभाव के बावजूद गांवों में ऐसी परंपराएं आज भी पीढ़ी दर पीढ़ी निभाई जा रही हैं। ये परंपराएं केवल त्योहार मनाने का तरीका नहीं, बल्कि ग्रामीण संस्कृति, आपसी भाईचारे और सामाजिक एकता की पहचान भी हैं।

मनाया गया भाई दूज पर्व



जावर। नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में भाई दूज का पर्व बड़े ही धूमधाम से मनाया गया।बहनों ने अपने भाइयों को तिलक लगाकर आशीर्वाद दिया। भाई दूज का त्योहार इस बार 10 नवंबर को मनाया गया। यह त्योहार भाई-बहन के गहरे प्यार और भाई की लंबी उम्र से जुड़ा होता है।इस दिन बहनों ने अपने भाइयों को तिलक लगाया और उनकी खुशियों व अच्छे स्वास्थ्य की कामना की। भाइयों ने भी बहनों को उपहार देकर उनका सम्मान किया।पूरे दिन घर-घर में उत्सव का माहौल बना रहा। बहनों ने अपने हाथों से स्वादिष्ट पकवान बनाए और भाई-बहन ने एक साथ मिलकर पर्व मनाया।

मां पार्वती धाम गौशाला में श्रद्धा से हुआ गोवर्धन पूजन एवं गौ माता की आरती



आष्टा। दीपावली पर्व के उपरांत गोवर्धन पूजा के पावन अवसर पर आष्टा नगर में भोपाल रोड स्थित मुक्तिधाम प्रांगण में संचालित प्राचीन मां पार्वती धाम गौशाला में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी श्रद्धा, भक्ति एवं उत्साह के साथ गोवर्धन पूजन एवं गौ माता की पूजा-अर्चना का आयोजन किया गया।इस अवसर पर मां पार्वती धाम गौशाला समिति के अध्यक्ष नरेंद्र कुशवाहा ने विधि-विधान से गौ माताओं का पूजन-अर्चन कर आरती की तथा गौ माता से नगर एवं क्षेत्र की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना करते हुए आशीर्वाद प्राप्त किया।उल्लेखनीय है कि मां पार्वती धाम गौशाला में वर्तमान में 100 से अधिक गौ माताओं की प्रतिदिन देखरेख एवं सेवा की जा रही है। नगर में बीमार, दुर्घटनाग्रस्त एवं असहाय अवस्था में मिलने वाली गौ माताओं को गौशाला में लाकर पशु चिकित्सकों के माध्यम से उपचार भी कराया जाता है। गौशाला में गौ माताओं के लिए हरी चरी, हरी सब्जियां, पौष्टिक पशु आहार एवं शुद्ध पेयजल की नियमित व्यवस्था की जाती है। यह समस्त सेवा कार्य नगर के दानदाताओं एवं गौ प्रेमियों के सहयोग से निरंतर संचालित हो रहा है।गोवर्धन पूजन के अवसर पर गौ माताओं को शुद्ध जल से स्नान कराकर पुष्पमालाओं, रंग-रोगन एवं सुंदर घंटियों से सजाया गया। गौशाला समिति अध्यक्ष नरेंद्र कुशवाहा ने गौ माता की पूजा कर आरती उतारी। इस अवसर पर वरिष्ठ व्यवसायी मनोज कुशवाहा, परमार समाज अध्यक्ष मान सिंह परमार, समिति संगठन मंत्री रवि कामरिया, राजेश सोनी, वरिष्ठ समाजसेवी ओमप्रकाश सोनी एवं कामरिया परिवार सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने गौ माता की पूजा-अर्चना कर आरती की तथा गौशाला समिति को सहयोग राशि प्रदान कर गौसेवा के पुनीत कार्य में सहभागिता निभाई।गौशाला समिति अध्यक्ष नरेंद्र कुशवाहा ने सभी गौ प्रेमियों एवं दानदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि गौ माता की सेवा और संरक्षण हम सभी का नैतिक एवं धार्मिक दायित्व है। गौसेवा के इस पुनीत कार्य में सभी का सहयोग एवं सहभागिता ही गौशाला की सबसे बड़ी शक्ति है।

गंज, दादाबाड़ी और किला मंदिर में हुए धार्मिक आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ आष्टा

भगवान महावीर स्वामी के निर्वाण कल्याणक एवं गौतम स्वामी के केवलज्ञान कल्याणक पर मंगलवार को श्री श्वेतांबर जैन श्रीसंघ आष्टा के तत्वावधान में लाडू महोत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। चातुर्मास हेतु आष्टा में विराजित पन्यास प्रवर यशोजित विजय महाराज एवं वीरतेन्द्र विजय महाराज ससंघ की निश्रा में समाजजनों ने तीनों प्रमुख आराधना स्थलों पर निर्वाण लाडू अर्पित किए।



सुबह पन्यास प्रवर यशोजित विजयजी महाराज ने किला मंदिर से पैदल मंगल विहार कर गंज स्थित श्री महावीर स्वामी श्वेतांबर जैन मंदिर में प्रवेश किया। सुबह 6 बजे भगवान को निर्वाण लाडू अर्पित करने के लिए बोलियां लगाई गईं, लाभार्थियों ने धर्मलाभ लिया।इस अवसर पर दोनों मुनिराज ने भगवान महावीर के निर्वाण प्रसंग और गौतम स्वामी के केवलज्ञान की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि वर्तमान में साधु-संत गौतम स्वामी की पट्ट परंपरा का निर्वहन करते हुए जिन शासन की प्रभावना कर रहे हैं।गंज मंदिर के बाद दादाबाड़ी और फिर आष्टा तीर्थ श्री नेमिनाथ श्वेतांबर जैन मंदिर किला में भी निर्वाण लाडू चढ़ाया गया। तीनों स्थलों पर श्रद्धालुओं को नवस्मरण एवं गौतम स्वामी रास का श्रवण कराया गया।महाराज साहब ने धर्म, तपस्या और आत्मकल्याण के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। उपधान तप में आराधना कर रहे छोटे बच्चों को भी प्रोत्साहित किया गया।

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत 13 नवम्बर को बुदनी में शिविर आयोजित

सीहोर। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत 13 नवम्बर को बुदनी में शिविर आयोजित किया जाएगा। अभियान का उद्देश्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाना तथा आम नागरिकों की समस्याओं का मौके पर निराकरण सुनिश्चित करना है। शिविर के माध्यम से ग्रामीणों को विभिन्न शासकीय सेवाओं और योजनाओं की जानकारी भी उपलब्ध कराई जाएगी। कलेक्टर बालागुरू के. ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत आयोजित होने वाले शिविर की सभी आवश्यक तैयारियां समय पर सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंचकर आमजन की समस्याएं सुनें और शासन की योजनाओं से पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करें। शिविर में प्राप्त आवेदनों का नियमानुसार निराकरण करते हुए नागरिकों को शासकीय सेवाओं का लाभ उपलब्ध कराया जाए।

2553वां निर्वाण कल्याणक और दीपावली महापर्व मनाया

समाज रत्न की उपाधि से किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭ आष्टा

वर्तमान शासन नायक 1008 भगवान महावीर स्वामी के 2553 वां निर्वाण कल्याणक और दीपावली महापर्व सोमवार को कार्तिक कृष्ण अमावस्या के अवसर पर श्री पार्श्वनाथ दिव्योदय जैन तीर्थ किला मंदिर में श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ मनाया गया। कार्यक्रम पूज्य मुनि मुनिसागर महाराज, मुनि अभेदसागर महाराज, मुनि अगर्भसागर महाराज और ऐलक मंथनसागर महाराज ससंघ के पावन सानिध्य में संपन्न हुआ। आयोजित कार्यक्रम में पूज्य मुनिश्री के शुभ सानिध्य में श्री दिगंबर जैन पंचायत समिति आष्टा द्वारा समाज के संरक्षक एवं भारतीय जनता पार्टी के नगर महामंत्री धनरूपमल जैन को श्री दिगंबर जैन समाज पंचायत समिति द्वारा समाज रत्न की उपाधि से सम्मानित किया गया। आयोजित कार्यक्रम में समाज के अध्यक्ष आनंद जैन,



चातुर्मास समिति के संयोजक गोपी सेठी, अमन जैन रमेश आदिनाथ कैलाश जैन,धीरज जैन, पारस जैन, मनोज जैन, संतोष जैन, शरद जैन, मुकेश जैन ने धनरूपमल जैन को समाज रत्न की उपाधि से सम्मानित किया है । श्री जैन को इस उपलब्धि पर विधायक श्री गोपालसिंह इंजीनियर सहित सभी जनप्रतिनिधियों, संगठन के पदाधिकारियों ने बधाई दी।

बिजली अव्यवस्था पर फूटा किसानों का गुस्सा, सुधार नहीं हुआ तो कांग्रेस के नेतृत्व में होगा आंदोलन

हरिभूमि न्यूज ⏭ आष्टा



विद्युत वितरण क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले खाचरोद सब स्टेशन पर लगातार हो रही अघोषित बिजली कटौती और अव्यवस्थाओं को लेकर किसानों का आक्रोश फूट पड़ा। बार-बार शिकायत के बावजूद व्यवस्था में सुधार नहीं होने से नाराज ग्रामीणों ने तहसील कार्यालय आष्टा पहुंचकर अनुविभागीय अधिकारी को मुख्य विद्युत विभाग अधिकारी की उपस्थिति में क्षेत्र की समस्याओं से अवगत कराया।इस अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष धर्मेन्द्रसिंह मेमदाखेड़ी ने कहा कि पूरे आष्टा अनुविभाग में बिजली व्यवस्था चरमराई हुई है, लेकिन खाचरोद सब स्टेशन की स्थिति बेहद चिंताजनक है।

पिछले 15 दिनों में महज चार दिन ही बिजली ठीक ढंग से मिल पाई है।उन्होंने कहा कि क्षेत्र के किसान रात-रात भर अपनी मोटरों के पास बैठकर बिजली आने का इंतजार करते रहते हैं, लेकिन समय पर बिजली नहीं मिलने से खेती और सिंचाई का काम बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। किसानों ने आरोप लगाया कि ड्यूटी के दौरान जिम्मेदार ऑपरेटर शराब पीकर सोए रहते हैं। कर्मचारी से लेकर अधिकारियों तक फोन लगाने पर भी कोई जवाब नहीं मिलता और किसान अपनी समस्याओं के समाधान के लिए भटकते रहते हैं।ग्राम सांगाखेड़ी और मेमदाखेड़ी के किसानों ने बताया कि पूरा क्षेत्र पार्वती नदी के पानी पर निर्भर है और नदी में भी अब सीमित पानी शेष बचा है। इसके बावजूद बिजली की बदहाल व्यवस्था के कारण किसान अभी तक अपनी फसलों को पहला पानी तक नहीं दे पाए हैं।

यदि समय रहते बिजली व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो किसानों की मेहनत और फसल दोनों पर संकट खड़ा हो सकता है।ग्रामीणों ने अधिकारियों के सामने मांग रखी कि खाचरोद सब स्टेशन की बिजली व्यवस्था तत्काल दुरुस्त की जाए, अघोषित कटौती बंद हो तथा जिम्मेदार कर्मचारियों की जवाबदेही सुनिश्चित की जाए।अधिकारियों द्वारा बिजली व्यवस्था शीघ्र सुचारू करने का आश्वासन दिया गया है।ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष धर्मेन्द्रसिंह मेमदाखेड़ी ने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द ही बिजली व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ और किसानों को नियमित बिजली उपलब्ध नहीं कराई गई तो क्षेत्र के समस्त किसानों के साथ कांग्रेस पार्टी के नेतृत्व में व्यापक आंदोलन किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी विद्युत विभाग के अधिकारियों की होगी।इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य कमलसिंह चौहान, सोहेल मिर्ज़ा, इदरीस मंसूरी, शहर कांग्रेस अध्यक्ष ज़ाहिद गुड्डू, एच आर परमाल, घनश्याम जांगड़ा, तौसीफ़उद्दीन, कृपाल मालवीय, प्रदीप भाटी, परमानंद सेन, प्रदीप जाट, विलास जाट, नितेश ठाकुर, रामचरण दवारिया, बंशी बांबे, ओंकारसिंह पटेल, उदयसिंह राजपूत, देवराज मालवीय, महेश पटेल, महेश वर्मा, रमेश विश्वकर्मा, ग्राम सांगाखेड़ी एवं मेमदाखेड़ी के अनेक किसान मौजूद रहे।